चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 24 जून 2026, अंक –295.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

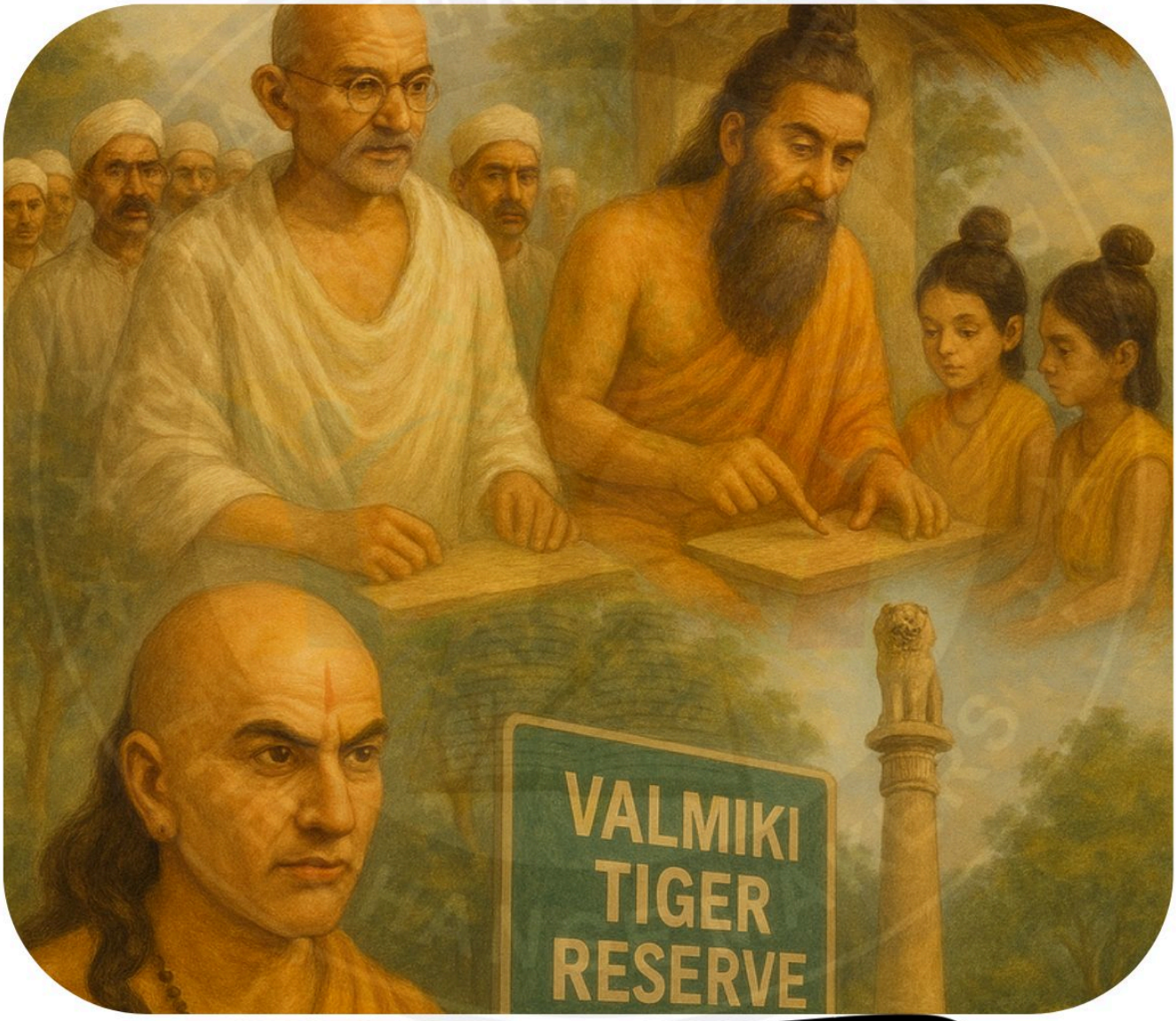

"जिसने खुद को जीत लिया, उसने दुनिया को जीत लिया।"

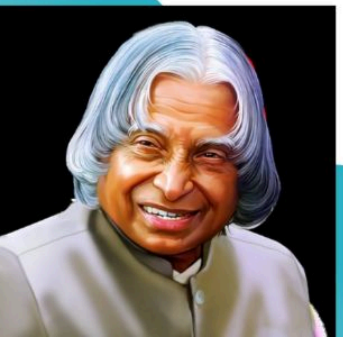

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. इटली की मुद्रा क्या है?
उत्तर: यूरो
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय फल कौन-सा है?
उत्तर: आम
प्रश्न 3. 'ओणम' पर्व किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 4. 144 और 216 का महत्तम समापवर्तक (HCF) क्या है?
उत्तर: 72
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में 'रोहतासगढ़ किला' स्थित है?
उत्तर: रोहतास
प्रश्न 6. गिर राष्ट्रीय उद्यान किस जीव के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: एशियाई सिंह
प्रश्न 7. भाप इंजन को विकसित करने का श्रेय किसे दिया जाता है?
उत्तर: जेम्स वाट
प्रश्न 8. भारत के संविधान में "जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार" किस अनुच्छेद में है?
उत्तर: अनुच्छेद 21
प्रश्न 9. 'सूर्य' शब्द का पर्यायवाची क्या है?
उत्तर: रवि
प्रश्न 10. पौधों में जल का परिवहन किस ऊतक द्वारा होता है?
उत्तर: जाइलम

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Balcony – (बालकनी) – बरामदा / छज्जा
Roof – (रूफ) – छत
Wall – (वॉल) – दीवार
Floor – (फ्लोर) – फर्श
Staircase – (स्टेयरकेस) – सीढ़ी
Curtain – (कर्टन) – पर्दा
Carpet – (कारपेट) – कालीन

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "तुम ... सकते/सकती हो" (You can ...)

तुम पढ़ सकते/सकती हो। – You can read.
तुम लिख सकते/सकती हो। – You can write.
तुम खेल सकते/सकती हो। – You can play.
तुम गा सकते/सकती हो। – You can sing.
तुम अंग्रेज़ी बोल सकते/सकती हो। – You can speak English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रत्येक वर्ष 24 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित कौन सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, जो कूटनीति में महिलाओं की भागीदारी को समर्पित है?
उत्तर: महिला कूटनीति दिवस
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 24 जून को प्रतिवर्ष "अंतरराष्ट्रीय महिला कूटनीति दिवस" (International Day of Women in Diplomacy) के रूप में घोषित किया, यह प्रस्ताव इस बात की पुष्टि करता है कि सभी स्तरों पर निर्णय-निर्माण में पुरुषों के समकक्ष महिलाओं की भागीदारी, सतत विकास, शांति और लोकतंत्र की प्राप्ति के लिए अनिवार्य है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में सर्वसम्मति से प्रस्ताव A/RES/76/269 पारित कर यह दिवस स्थापित किया गया था। (United Nations) भारतीय विदेश सेवा (IFS) में महिलाओं की भूमिका इस दिवस के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: UNGA Resolution A/RES/76/269; UN प्रेस विज्ञप्ति, 10 सितंबर 2022; un.org/en/observances/women-in-diplomacy-day

प्र.2. जून 2026 में भारत सरकार ने कपास उत्पादकता बढ़ाने हेतु कितनी राशि के "मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी" को मंजूरी दी?
उत्तर: ₹5,659 करोड़
व्याख्या: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए ₹5,659 करोड़ के परिव्यय के साथ "मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी" को अनुमोदित किया। इस मिशन का लक्ष्य भारत की कपास लिंट उत्पादकता को 2025-26 के त्रैवार्षिक अंत तक 441 किग्रा प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 2031 तक 755 किग्रा प्रति हेक्टेयर करना है। भारत कपास का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक था, किंतु घटती उत्पादकता के कारण यह अब शुद्ध आयातक बन गया है। यह मिशन किसान आय, वस्त्र उद्योग और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता के दृष्टिकोण से UPSC/BPSC की GS-III के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।
संदर्भ: PIB प्रेस विज्ञप्ति, जून 2026; KPIAS Academy UPSC Current Affairs, 10 June 2026;

प्र.3. "डिस्कवरी ऑफ इंडिया" पुस्तक के लेखक कौन हैं, जो उन्होंने 1944 में अहमदनगर किले में बंदी रहते हुए लिखी थी?
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
व्याख्या: "द डिस्कवरी ऑफ इंडिया" (The Discovery of India) भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1944 में अहमदनगर दुर्ग में ब्रिटिश बंदी के दौरान लिखी गई एक कालजयी कृति है। यह पुस्तक सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक भारत की सांस्कृतिक, दार्शनिक और ऐतिहासिक विरासत का विस्तृत विश्लेषण करती है। इसका हिंदी अनुवाद "भारत एक खोज" के नाम से प्रकाशित है। दूरदर्शन पर इसी नाम से एक प्रसिद्ध धारावाहिक भी प्रसारित हुआ था।
संदर्भ: जवाहरलाल नेहरू — "The Discovery of India", प्रकाशक: Signet Press, 1946; NCERT इतिहास कक्षा 12; UPSC सामान्य अध्ययन संदर्भ सूची

प्र.4. ओज़ोन परत में छिद्र सर्वाधिक किस क्षेत्र के ऊपर पाया गया है?
उत्तर: अंटार्कटिका
व्याख्या: ओज़ोन परत समतापमंडल (Stratosphere) में लगभग 15-35 किमी की ऊँचाई पर स्थित है और यह सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (UV) किरणों को अवशोषित करती है। वैज्ञानिकों ने 1985 में अंटार्कटिका के ऊपर ओज़ोन परत में एक विशाल छिद्र की खोज की। इसका प्रमुख कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFC) गैसें हैं जो रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और एयरोसोल स्प्रे में प्रयुक्त होती थीं। इसे नियंत्रित करने हेतु 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। प्रतिवर्ष 16 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय ओज़ोन परत संरक्षण दिवस मनाया जाता है।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 8, अध्याय 18 — "वायु तथा जल का प्रदूषण", पृष्ठ 219; NCERT पर्यावरण अध्ययन, कक्षा 7, अध्याय 17

प्र.5. भारत में 1857 के विद्रोह के दौरान झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का निधन कहाँ युद्ध करते हुए हुआ था?
उत्तर: ग्वालियर
व्याख्या: 1857 के स्वाधीनता संग्राम की वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी झाँसी गँवाने के बाद ग्वालियर किले पर अधिकार कर लिया। जून 1858 में ब्रिटिश सेनापति जनरल ह्यूरोज़ के विरुद्ध ग्वालियर के निकट युद्धक्षेत्र में वे वीरगति को प्राप्त हुईं। उन्होंने पुरुष वेशभूषा में घोड़े पर सवार होकर युद्ध किया था। उनके बारे में प्रसिद्ध कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान ने "खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी" पंक्तियाँ लिखी हैं। वे अवध के नाना साहब के साथ विद्रोह में सहभागी थीं।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 8 — "हमारे अतीत-III", अध्याय 5 — "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", पृष्ठ 62-65

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में लौह अयस्क (Iron Ore) के उत्पादन में कौन सा राज्य प्रथम स्थान पर है?
उत्तर: ओडिशा
व्याख्या: ओडिशा भारत में लौह अयस्क उत्पादन में अग्रणी राज्य है। यहाँ क्योंझर (केंदुझर), सुंदरगढ़ और मयूरभंज जिलों में लौह अयस्क के प्रमुख भंडार हैं। इसके बाद छत्तीसगढ़, झारखंड और कर्नाटक का स्थान आता है। लौह अयस्क इस्पात उद्योग का आधार है। भारत विश्व में लौह अयस्क का चौथा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। मैग्नेटाइट और हेमेटाइट लौह अयस्क के दो प्रमुख प्रकार हैं — हेमेटाइट में लौह की मात्रा अधिक होती है और यह भारत में सर्वाधिक पाया जाता है।
संदर्भ: NCERT भूगोल, कक्षा 10 — "समकालीन भारत-II", अध्याय 5 — "खनिज तथा ऊर्जा संसाधन", पृष्ठ 60-62

प्र.7. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में राजभाषाओं की सूची दी गई है जिसमें अभी 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं?
उत्तर: आठवीं अनुसूची
व्याख्या: भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची (Eighth Schedule) में राजभाषाओं की सूची है। मूल संविधान में 14 भाषाएँ थीं, जो वर्तमान में बढ़कर 22 हो गई हैं। 2003 में संविधान के 92वें संशोधन द्वारा बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को इस सूची में सम्मिलित किया गया। इसमें हिंदी, बंगाली, तेलुगु, मराठी, तमिल, उर्दू, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, असमिया, मणिपुरी, नेपाली, कश्मीरी, कोंकणी, सिंधी, संस्कृत आदि प्रमुख भाषाएँ शामिल हैं। मैथिली बिहार की प्रमुख भाषा है जो इस सूची में सम्मिलित है।
संदर्भ: NCERT नागरिक शास्त्र, कक्षा 9 — "लोकतांत्रिक राजनीति-1", अध्याय 4; भारत का संविधान — आठवीं अनुसूची; 92वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003

प्र.8. मनुष्य के पाचन तंत्र में भोजन का सर्वाधिक अवशोषण किस अंग में होता है?
उत्तर: छोटी आँत
व्याख्या: छोटी आँत (Small Intestine) मानव पाचन तंत्र का सबसे लंबा अंग है जिसकी लंबाई लगभग 6-7 मीटर होती है। इसके तीन भाग होते हैं — ग्रहणी (Duodenum), अग्रक्षुद्रांत्र (Jejunum) और क्षुद्रांत्र (Ileum)। इसकी भीतरी दीवारों पर अँगुली जैसी संरचनाएँ "रसांकुर" (Villi) होती हैं जो अवशोषण की सतह को अत्यधिक बढ़ा देती हैं। यकृत (Liver) से पित्त और अग्न्याशय (Pancreas) से एंजाइम ग्रहणी में आकर पाचन क्रिया को पूर्ण करते हैं। अवशोषित पोषक तत्व रक्त में मिलकर यकृत को भेजे जाते हैं।
संदर्भ: NCERT विज्ञान, कक्षा 7, अध्याय 2 — "प्राणियों में पोषण", पृष्ठ 18-22; NCERT विज्ञान, कक्षा 10, अध्याय 6 — "जैव प्रक्रम", पृष्ठ 97-100

प्र.9. भारत का कौन सा शास्त्रीय नृत्य "देवदासी" परंपरा से उत्पन्न हुआ और मुख्यतः तमिलनाडु में प्रचलित है?
उत्तर: भरतनाट्यम
व्याख्या: भरतनाट्यम तमिलनाडु का प्राचीनतम शास्त्रीय नृत्य है जिसकी उत्पत्ति मंदिरों की देवदासी परंपरा से हुई। इसका उल्लेख नाट्यशास्त्र (भरत मुनि रचित) में मिलता है। 20वीं सदी में रुक्मिणी देवी अरुंडेल ने इसे देवदासी परंपरा से मुक्त कर एक स्वतंत्र कला के रूप में पुनः स्थापित किया। इस नृत्य में "नृत्त" (शुद्ध नृत्य), "नृत्य" (भावयुक्त नृत्य) और "नाट्य" (नाटकीय अभिव्यक्ति) का समन्वय होता है। तन्जावुर चतुष्क (Tanjore Quartet) ने इस नृत्य शैली को संहिताबद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
संदर्भ: NCERT इतिहास, कक्षा 11 — "भारतीय कला का परिचय" (थीम्स इन इंडियन हिस्ट्री); संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली; NCERT सामाजिक विज्ञान, कक्षा 7

प्र.10. बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान कौन सा है, जो पश्चिम चंपारण जिले में स्थित है?
उत्तर: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान
व्याख्या: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान बिहार का एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान है, जो पश्चिम चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है। इसे 1990 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला और यह प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत "वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व" का भाग है। इसका क्षेत्रफल लगभग 899 वर्ग किमी है। यहाँ बाघ, तेंदुआ, हाथी, गौर, डॉल्फिन और चीतल जैसे वन्यजीव पाए जाते हैं। महाभारत और वाल्मीकि रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की साधनास्थली के रूप में भी यह क्षेत्र प्रसिद्ध है।
संदर्भ: बिहार वन विभाग आधिकारिक पोर्टल; NCERT भूगोल + बिहार GK प्रामाणिक स्रोत; National Tiger Conservation Authority (NTCA) रिपोर्ट; forest.bih.nic.in

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के वज्रपात सुरक्षा प्रशिक्षण के अनुसार, वज्रपात के समय यदि कोई व्यक्ति खुले मैदान में हो तो उसे कौन सी सुरक्षित मुद्रा (Body Position) अपनानी चाहिए?

उत्तर: वज्रासन मुद्रा

व्याख्या: BSDMA के वज्रपात सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति खुले मैदान, खेत या जंगल में वज्रपात के समय फँस जाए और कोई पक्की इमारत न हो, तो उसे तुरंत "वज्रासन मुद्रा" (Lightning Crouch Position) अपनानी चाहिए — दोनों पैरों को एक साथ रखते हुए घुटनों पर बैठ जाएँ, हाथों को कानों पर रखें और सिर झुका लें। इस मुद्रा से शरीर की ऊँचाई कम होती है और विद्युत प्रवाह का जोखिम घटता है। जमीन पर लेटना उचित नहीं क्योंकि उससे अर्थ करंट का खतरा बढ़ता है। पेड़ों, टेलीफोन खंभों और जलाशयों से अधिकतम दूरी बनाना अनिवार्य है।

संदर्भ: BSDMA — वज्रपात सुरक्षा मॉड्यूल, मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम; bsdma.org; बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शिक्षक प्रशिक्षण सामग्री, जून सत्र W4

प्र.12. मेरे पास दाँत हैं पर मैं खाता कुछ नहीं। मेरे बिना न बाल सँवरते हैं, न कपड़े। जितना मुझे खींचते हो, उतना मैं काम करता हूँ। मैं क्या हूँ?

उत्तर: कंघी

व्याख्या: यह पहेली बच्चों में वस्तु की विशेषताओं के आधार पर अनुमान लगाने की तार्किक क्षमता विकसित करती है। कंघी के दाँत (Teeth) होते हैं किंतु वह भोजन नहीं करती। बालों को सुलझाने और सँवारने में कंघी अपरिहार्य है। जितना अधिक इसे खींचते हैं, उतना ही यह उलझे बालों को सुलझाती है। यह बच्चों को परिचित वस्तुओं के बारे में अलग दृष्टिकोण से सोचने के लिए प्रेरित करती है। बालों की संरचना में मृत कोशिकाएँ होती हैं और इसमें केराटिन प्रोटीन पाया जाता है — इस तरह यह पहेली विज्ञान-जिज्ञासा का भी द्वार खोलती है।

संदर्भ: NCERT विज्ञान कक्षा 6, अध्याय 7 — "जीवों में विविधता" (केराटिन एवं शरीर संरचना); तार्किक पहेली — बाल मानसिक विकास श्रृंखला; प्राथमिक शिक्षा संवर्धन पाठ्यचर्या, SCERT बिहार

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

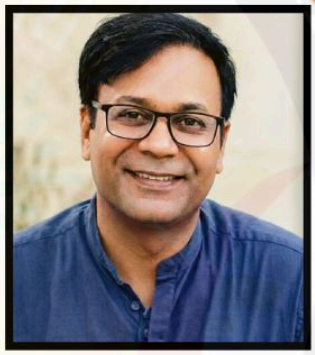

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Zeal (ज़ील) = Enthusiasm (एन्थूज़ियाज़्म) = उत्साह / जोश
Antonym – Apathy (एपैथी) = उदासीनता
Ample (एम्पल) = Sufficient (सफिशिएन्ट) = पर्याप्त / भरपूर
Antonym – Insufficient (इनसफिशिएन्ट) = अपर्याप्त
Bizarre (बिज़ार) = Strange (स्ट्रेंज) = अजीब / विचित्र
Antonym – Normal (नॉर्मल) = सामान्य
Compassionate (कम्पैशनेट) = Kind (काइंड) = दयालु / सहानुभूतिशील
Antonym – Cruel (क्रूएल) = निर्दयी
Deceive (डिसीव) = Cheat (चीट) = धोखा देना
Antonym – Honest (ऑनेस्ट) = ईमानदार

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Bharat-Methane 2.0'; Ministry of Agriculture deploys 5,000 bio-digester units across dairy cooperatives.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-मीथेन 2.0' की शुरुआत की; पशुधन क्षेत्र से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के लिए देश की डेयरी सहकारी समितियों में 5,000 बड़े बायोगैस-डायजेस्टर नेटवर्क स्थापित किए जाएंगे।

Ministry of Shipping flags off India's first 'Hydrogen-Powered Inland Cruise' on the National Waterway-2 (Brahmaputra).
जहाजरानी मंत्रालय ने राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर भारत के पहले 'हाइड्रोजन-संचालित अंतर्देशीय क्रूज' को हरी झंडी दिखाई; पर्यावरण के अनुकूल नदी-पर्यटन और शून्य-उत्सर्जन परिवहन की दिशा में देश की बड़ी छलांग।

ISRO and MeitY successfully test 'Vajra-Quantum-Link'; India's first long-distance secure quantum communication between Bengaluru and Hassan.
इसरो और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय ने संयुक्त रूप से 'वज्र-क्वांटम-लिंक' का सफल परीक्षण किया; बेंगलुरु और हासन के बीच भारत की पहली लंबी दूरी की पूरी तरह से सुरक्षित क्वांटम-एन्क्रिप्टेड संचार प्रणाली स्थापित की गई।

INTERNATIONAL NEWS

UN Human Rights Council adopts 'The Global Digital-Worker Protection Accord'; sets international baseline for gig-economy contracts.
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने 'वैश्विक डिजिटल-श्रमिक संरक्षण समझौता' अपनाया; इसके तहत दुनिया भर में गिग-इकोनॉमी (फ्रीलांसर, डिलीवरी पार्टनर्स और ऑनलाइन वर्कर्स) के लिए न्यूनतम वेतन, स्वास्थ्य सुरक्षा और कानूनी अनुबंध के अंतरराष्ट्रीय मानक तय किए गए हैं।

BBC News: Scientists at Stanford successfully print '3D Vascularized Organ Tissue' using automated bio-ink; major leap for transplant science.
बीबीसी न्यूज़: स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने स्वचालित बायो-इंक का उपयोग करके धमनियों और नसों से युक्त '3D संवहनी अंग ऊतक' (3D Vascularized Organ Tissue) प्रिंट करने में सफलता पाई; भविष्य में मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए क्रांतिकारी कदम।

WHO pre-qualifies 'Chik-Vanish', the first single-dose adolescent vaccine against Chikungunya for deployment in high-transmission zones.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने किशोरों के लिए चिकनगुनिया के पहले सिंगल-डोज टीके 'चिक-वैनिश' को वैश्विक वितरण के लिए मंजूरी दी; उष्णकटिबंधीय (Tropical) देशों में इसके वितरण को प्राथमिकता दी जाएगी।

BIHAR NEWS

Bihar Government to establish 'State Organic Seed Certification Agency' (SOSCA) in Bhagalpur to boost organic crop exports.
बिहार सरकार भागलपुर में 'राज्य जैविक बीज प्रमाणन एजेंसी' (SOSCA) की स्थापना करेगी; इसके जरिए अंग क्षेत्र और कोशी क्षेत्र के किसानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के जैविक बीज और निर्यात प्रमाणीकरण की सुविधा स्थानीय स्तर पर मिल सकेगी।

SCERT Bihar launches 'Khel-Gyan 2026'; introduces interactive digital sports history and rule-books in intermediate physical education curriculum.
एससीईआरटी बिहार ने 'खेल-ज्ञान 2026' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत इंटरमीडिएट के शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रम में विभिन्न खेलों के इतिहास, नियमों और खेल विज्ञान के आधुनिक डिजिटल वीडियो मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।

SPORTS NEWS

Indian Archer Dhiraj Bommadevara wins Gold at the Archery World Cup Stage 4 in Antalya; defeats World No. 1 in a tense shoot-off.
भारतीय तीरंदाज धीरजा बोम्मादेवर ने अंताल्या (तुर्की) में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप स्टेज 4 में स्वर्ण पदक जीता; उन्होंने फाइनल के बेहद कड़े मुकाबले में दुनिया के नंबर-1 तीरंदाज को अंतिम शूट-ऑफ में हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

International Basketball Federation (FIBA) introduces 'Biometric Wrist-Trackers' to monitor player cardiovascular stress during official matches.
अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल महासंघ ने आधिकारिक मैचों के दौरान खिलाड़ियों के लिए 'बायोमेट्रिक रिस्ट-ट्रैकर्स' तकनीक को मंजूरी दी; यह स्मार्ट बैंड मैच के दौरान खिलाड़ियों के दिल की धड़कन और शारीरिक तनाव का लाइव डेटा कोच और मेडिकल टीम को भेजेगा ताकि खिलाड़ियों को चोटों से बचाया जा सके।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का सही अर्थ केवल सूचनाएं जुटाना नहीं, बल्कि बदलते विश्व के साथ कदम मिलाकर चलना है। निरंतर पढ़ते रहें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

धरती का रिपोर्ट कार्ड

गर्मी की छुट्टियों के बाद विद्यालय खुला। सुबह की सभा के बाद कक्षा में मैडम प्रज्ञा ने बच्चों से पूछा, "बताओ, इस वर्ष गर्मी कैसी रही?"

"बहुत ज्यादा!" बच्चों ने एक स्वर में उत्तर दिया।

मैडम प्रज्ञा ने बोर्ड पर लिखा— "धरती का रिपोर्ट कार्ड"।

संकल्प ने उत्सुकता से पूछा, "मैडम, धरती का भी रिपोर्ट कार्ड होता है क्या?"

मैडम मुस्कुराईं, "बिल्कुल होता है। और इस समय उसके अंक कुछ अच्छे नहीं आ रहे हैं।" उन्होंने समझाया, "तुमने देखा होगा कि गर्मियों में अत्यधिक गर्मी पड़ रही है, सर्दियों में कहीं बहुत अधिक ठंड तो कहीं कम ठंड पड़ती है, और वर्षा भी समय पर नहीं हो रही। यह सब पर्यावरण असंतुलन और ग्लोबल वार्मिंग के संकेत हैं।"

तभी रोहन ने हाथ उठाया, "मैडम, खबरों में भी सुनते हैं कि हर साल तापमान बढ़ रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो आगे क्या होगा?"

मैडम प्रज्ञा कुछ क्षण रुकीं और बोलीं, "यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। यदि तापमान लगातार बढ़ता रहा तो पानी की कमी बढ़ सकती है, कई क्षेत्रों में सूखा पड़ सकता है, बाढ़ और तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाएँ अधिक आ सकती हैं। खेती प्रभावित होगी और अनेक जीव-जंतु अपने प्राकृतिक आवास खो सकते हैं। आने वाली पीढ़ियों का जीवन भी कठिन हो सकता है।"

कक्षा में सन्नाटा छा गया।

आरोही ने पूछा, "तो क्या इसे रोका जा सकता है?"

"पूरी तरह नहीं, लेकिन इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है," मैडम ने उत्तर दिया। "इसके लिए हमें पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना होगा। अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे, जल और बिजली की बचत करनी होगी, प्लास्टिक का कम उपयोग करना होगा और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनना होगा।"

संकल्प बोला, "मतलब अगर हम आज से सावधान हो जाएँ, तो भविष्य को बेहतर बना सकते हैं?"

"बिल्कुल," मैडम ने कहा, "धरती का भविष्य किसी एक सरकार या वैज्ञानिक के हाथ में नहीं है। यह हम सभी की छोटी-छोटी आदतों पर भी निर्भर करता है।"

उस दिन बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने घर और विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाएँगे। उन्हें समझ आ गया था कि धरती का रिपोर्ट कार्ड सुधारने की जिम्मेदारी केवल बड़ों की नहीं, उनकी भी है।

शिक्षा: प्रकृति हमें जीवन देती है। यदि हम पर्यावरण का संतुलन बनाए रखेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और सुखद भविष्य मिल सकेगा। 🌍🌱

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

समस्या समाधान विधि — बच्चों को विचारक और वैज्ञानिक बनाना

शिक्षक साथियों, प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात और आधुनिक शिक्षाशास्त्री जॉन डीवी द्वारा समर्थित समस्या समाधान विधि (Problem Solving Method) एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया है जहाँ छात्र के सामने एक 'चुनौतीपूर्ण समस्या' रखी जाती है और वह अपने पूर्व ज्ञान, तर्क और सूझबूझ का उपयोग करके उसका समाधान ढूँढता है। पारंपरिक कक्षाओं में बच्चों को बनी-बनाई समस्याएँ और उनके रटे-रटाए उत्तर दे दिए जाते हैं, जिससे उनकी सोचने की शक्ति कुंठित हो जाती है। यह विधि इसके ठीक विपरीत काम करती है; यह बच्चे को 'ज्ञान का उपभोक्ता' (Consumer) नहीं, बल्कि 'ज्ञान का निर्माता' (Creator) बनाती है।

इस विधि में शिक्षण के कुछ निश्चित और वैज्ञानिक चरण होते हैं: सबसे पहले समस्या की पहचान करना, फिर उसके कारणों पर विचार करना, समाधान के लिए काल्पनिक विचार (Hypothesis) बनाना, आंकड़े या जानकारी जुटाना, और अंत में उस समाधान का परीक्षण करना। एक शिक्षक के रूप में हमारी भूमिका यहाँ केवल इतनी है कि हम समस्या को बच्चे के मानसिक स्तर के अनुकूल रखें और समाधान की खोज के दौरान उनके उत्साह को कम न होने दें। यह विधि बच्चों में धैर्य, समालोचनात्मक सोच (Critical Thinking) और निर्णय लेने की क्षमता का विकास करती है।

उदाहरण:

आइए इसे गणित या पर्यावरण अध्ययन की कक्षा से जोड़कर एक बेहद व्यावहारिक रूप में समझते हैं। मान लीजिए आपके विद्यालय में मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) के बाद हाथ धोने वाले स्थान पर बहुत सारा पानी जमा हो जाता है और कीचड़ हो जाता है, जिससे बच्चों को असुविधा होती है।

- पारंपरिक तरीका: शिक्षक खुद रसोइयों या सफाईकर्मी को बुलाकर उसे साफ करवा दे या बच्चों को वहाँ जाने से डांटे।
- समस्या समाधान विधि का तरीका: आप कक्षा 5 के बच्चों को उस स्थान पर ले जाते हैं और पूछते हैं— "बच्चों, यहाँ रोज़ पानी क्यों जमा हो जाता है और इस पानी का सही उपयोग कैसे किया जा सकता है?"

अब यह बच्चों के लिए एक वास्तविक समस्या है। बच्चे समूहों में बैठकर इसके कारणों पर चर्चा करेंगे (जैसे- नाली का जाम होना, बच्चों द्वारा नल खुला छोड़ना)। फिर वे इसके समाधान सोचेंगे। एक समूह सुझाव दे सकता है कि "हम सोख्ता गड्ढा (Soak Pit) बना सकते हैं।" दूसरा समूह कह सकता है कि "हम इस पानी का रुख स्कूल के बगीचे की तरफ मोड़ सकते हैं ताकि पौधों को पानी मिल जाए।" इसके बाद बच्चे शिक्षक की मदद से एक छोटी नाली बनाकर उस पानी को क्यारियों तक पहुँचाने का प्रयास करते हैं। जब पानी सही जगह पहुँच जाता है, तो उनकी समस्या का समाधान हो जाता है।

शिक्षक साथियों, इस पूरी प्रक्रिया में बच्चों ने केवल पानी की समस्या को हल नहीं किया, बल्कि उन्होंने 'जल प्रबंधन' का पूरा विज्ञान समझ लिया। उन्होंने योजना बनाई, अवरोधों को पार किया और मिलकर काम किया। जब बच्चे अपने स्तर पर किसी समस्या का समाधान खुद ढूंढ निकालते हैं, तो उनके भीतर जो आत्मविश्वास पैदा होता है, वह उन्हें भविष्य की बड़ी से बड़ी चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमें बच्चों के सामने से हर बाधा को खुद नहीं हटाना है, बल्कि उन्हें उस बाधा को पार करने का सामर्थ्य देना है। हमारी कक्षाएं ऐसी होनी चाहिए जहाँ समस्याओं को 'डर' के रूप में नहीं, बल्कि 'सीखने के अवसर' के रूप में देखा जाए। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपके स्कूल या कक्षा में कोई ऐसी छोटी सी समस्या है जिसे कल आप अपने बच्चों के सामने एक चुनौती के रूप में रख सकते हैं?

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : मुजफ्फरपुर, अंक–1"

तिरहुत का मुकुट, नदियों का संजाल और विशिष्ट मैदानी भूगोल

'संपादकीय' ✍️

भौगोलिक और प्रशासनिक दृष्टि से मुजफ्फरपुर केवल एक जिला नहीं, बल्कि संपूर्ण उत्तर बिहार का धड़कता हुआ दिल और व्यापारिक तंत्र का मुख्य तंत्रिका-केंद्र (Nerve Center) है। सन 1875 में एक स्वतंत्र जिले के रूप में स्थापित यह क्षेत्र तिरहुत प्रमंडल का मुख्यालय है, जिसकी सीमाएं उत्तर में सीतामढ़ी और शिवहर, पूर्व में दरभंगा और समस्तीपुर, दक्षिण में वैशाली और पश्चिम में सारण एवं पूर्वी चंपारण जिलों को स्पर्श करती हैं। यह केंद्रीय अवस्थिति मुजफ्फरपुर को पूरे उत्तर बिहार और नेपाल के तराई क्षेत्रों के लिए एक अनिवार्य भौगोलिक और आर्थिक सेतु बनाती है, जहाँ से राज्य का एक बहुत बड़ा यातायात और व्यापारिक नेटवर्क संचालित होता है।

इस जिले का संपूर्ण धरातल बूढ़ी गंडक, बागमती, लखनदेई और गंडक (नारायणी) जैसी शक्तिशाली नदियों के प्रवाह और उनके आपसी अंतर्संबंधों से निर्मित हुआ है। जिले के बीचों-बीच बलखाती हुई बहने वाली बूढ़ी गंडक यहाँ की जीवनरेखा है, जो अपने साथ प्रचुर मात्रा में अत्यंत उपजाऊ जलोढ़ (Alluvial) मिट्टी लेकर आती है। मुजफ्फरपुर के भूगोल की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ की मिट्टी का वर्गीकरण है; यहाँ उत्तरी भाग में जहाँ 'बलसुंदरी' और 'कांप' मिट्टी की प्रधानता है, वहीं दक्षिणी भागों में गहरी 'चीका' मिट्टी पाई जाती है। यह दोहरी भू-वैज्ञानिक संरचना इस जिले को एक ही समय में विभिन्न प्रकार की कृषि उपजों के लिए अत्यंत उपयुक्त और बहु-फसली चक्र का एक आदर्श मैदान बनाती है।

इस मैदानी भूगोल की सबसे अनूठी स्थानीय पारिस्थितिकी यहाँ पाए जाने वाले 'मन' (Oxbow Lakes/ छाड़न झीलें) हैं, जिनमें सिकंदरपुर मन, कांटी मन, मनियारी मन और कन्हाउली मन प्रमुख हैं। ये झीलें प्राचीन काल में नदियों द्वारा छोड़े गए रास्तों का जीवंत रूप हैं, जो आज न केवल स्थानीय भू-जल स्तर को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक स्पंज का कार्य करती हैं, बल्कि मत्स्य पालन और जल-पक्षियों के संरक्षण के बड़े केंद्र हैं। यहाँ की जलवायु उप-उष्णकटिबंधीय नम मानसूनी है, जो एक विशेष प्रकार के 'माइक्रो-क्लाइमेट' को जन्म देती है। यही विशिष्ट वातावरण और मिट्टी में मौजूद चूने (Calcium) की प्रचुरता यहाँ की विश्वप्रसिद्ध शाही लीची और 'चाइना लीची' के बागानों के लिए एक प्राकृतिक वरदान साबित होती है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में कहीं और नहीं मिलती।

परंतु, इस प्रचुर जलीय संपदा के साथ मुजफ्फरपुर को प्रत्येक वर्ष एक गंभीर भौगोलिक चुनौती का भी सामना करना पड़ता है। मानसून के महीनों में जब बागमती और लखनदेई नदियाँ नेपाल की तराई का अतिरिक्त पानी लेकर उफान पर आती हैं, तो कटरा, औराई, गायघाट और मीनापुर जैसे प्रखंड भीषण बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। बाढ़ का यह पानी जहाँ एक ओर जान-माल की भारी क्षति पहुँचाता है, वहीं दूसरी ओर पानी उतरने के बाद खेतों में छोड़ी गई नई गाद (Siltation) मक्का, गेहूं और तेलहन की रबी फसलों के लिए प्राकृतिक खाद का काम करती है। आपदा और अवसर का यह चक्र यहाँ के किसानों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

अंततः, मुजफ्फरपुर का यह प्रथम भौगोलिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ का भूगोल प्रकृति की अपार उदारता और उसकी चुनौतियों का एक बेजोड़ संतुलन है। सिकंदरपुर मन की शांत लहरों से लेकर औराई के बाढ़ग्रस्त मैदानों तक, और मीनापुर के सघन लीची के बागानों से लेकर बूढ़ी गंडक के विशाल पाट तक —यह जिला उत्तर बिहार की भौगोलिक रीढ़ है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए मुजफ्फरपुर के इस नदी-तंत्र, विशिष्ट सॉइल-प्रोफाइल (Soil Profile) और जलीय पारिस्थितिकी का यह प्रामाणिक अध्ययन संपूर्ण उत्तर बिहार की कृषि-अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के ढांचे को समझने की एक अचूक और वैज्ञानिक दृष्टि प्रदान करता है।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org